जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 57 | अंक-23 | जयपुर, सोमवार, 21 जून, 2021 | वार्षिक शुल्क 150 रुपये (एक प्रति 3 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

गहलोत ही कांग्रेस, कांग्रेस ही गहलोत: खंडेला

सीकर (हमारा वतन) राजस्थान कांग्रेस में चल रहे सियासी घमासान लगातार जारी है। सीकर के खंडेला से कांग्रेस के बागी और निर्दलीय विधायक महादेवसिंह भी गहलोत के पक्ष में सामने आए हैं। उन्होंने साफ कहा कि गहलोत ही कांग्रेस और कांग्रेस ही गहलोत है। उनकी आस्था कांग्रेस और अशोक गहलोत में है। गहलोत के अलावा कोई और सीएम बन ही नहीं सकता।

एमएलए महादेवसिंह सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उनका कहना है कि खंडेला में लोग उन्हें ही कांग्रेस मानते है। वैसे ही राजस्थान में कांग्रेस सिर्फ

अशोक गहलोत ही है। खंडेला ने कहा कि कांग्रेस मेरी मां है। 1978 में पहली दफा गांव का सरपंच बना। इसके बाद 1979 में इंदिरा गांधी को जेल भेज दिया था। उस समय समर्थन में जेल गया था। जिसका सर्टिफिकेट दिखाते हुए कहा कि 1980 में ही कांग्रेस विधायक बनने का मौका मिला। 1985 में फिर से विधायक बना। इसके बाद चुनाव हार गया। बाबरी मस्जिद के कारण मध्यावधि चुनाव हुए। उसमें मेरा टिकट काट लिया, लेकिन स्थानीय लोगों ने मुझे ही कांग्रेस मानते हुए निर्दलीय जिताया। खंडेला का कहना है कि उस समय हम दस उम्मीदवार थे। सबसे अधिक अकेले को 52 हजार वोट मिले। 22 विधायकों में से 17 विधायक भाजपा के समर्थन में चले गए। उन्हें मंत्री बनाया गया था। उस समय भी हम 5 एमएलए भाजपा में नहीं गए। पार्टी ने 2003 में टिकट दिया चुनाव जीता। 2008 में टिकट दिया फिर हार गया। हारे हुए को पांच महीने के अंदर ही सीकर से लोकसभा से चुनाव लड़ाया। महादेव सिंह को केंद्र में मनमोहन सरकार में मंत्री बनाया। 2013 में सांसद का टिकट नहीं दिया, कोई नाराजगी नहीं, एमएलए का टिकट नहीं दिया कोई नाराजगी नहीं है। खंडेला की जनता मुझे ही कांग्रेस मानती है। महादेवसिंह ने अपने कार्यकालों में हुए विकास कार्य को गिनवाया। सीएम गहलोत पर पूरा विश्वास है। गांधी परिवार का उन पर विश्वास है। खंडेला के विकास के लिए उनसे मांगा उन्होंने वो दिया। मैंने कभी मंत्री पद के लिए मंशा नहीं रखी।

पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ने पर महादेव सिंह ने कहा कि मैंने बगावत नहीं की, खंडेला की जनता मुझे ही कांग्रेस मानती है। उन्होंने कहा कि आप कैंडीडेट को समर्थन मत करो आप तो चुनाव लड़ो। उनकी बात मानकर ही मैंने चुनाव लड़ा। जब सवाल किया गया तो कि जनता ही कहें कि आप पायलट का समर्थन करो तो तुरंत ही बोले मेरी मर्जी होगी वो करूंगा, जनता कौन होती है ऐसा कहने के लिए।

पढ़िए एक ऐसे कोरोना योद्धा की कहानी ....!!

जयपुर (हमारा वतन) हम आपको आज एक ऐसे शख्स की कहानी बताने जा रहे हैं जो जिंदादिली के रूप में विख्यात है और जो ठान लिया उसे करके ही रहता है। जी हां हम बात कर रहे हैं हिसार (हरियाणा) हाल चौमूं निवासी प्रोटोन संस्थान के निदेशक वेद जाखड़ की जो कोरोना बीमारी से लड़ रहे लोगों के लिए प्रेरणा बनकर सामने आए हैं।

वेद जाखड़ ने बताया कि 14 अप्रेल को मुझे खाँसी, तेज़ बुखार हुआ। 20 अप्रेल को कोविड रिपोर्ट पॉज़िटिव आई। मैं काफ़ी डर गया था। HRCT रिपोर्ट में फेफड़े 80 प्रतिशत इंफ़ेक्टेड हो गए थे। वाइफ़ की कोविड रिपोर्ट भी पॉज़िटिव आई। खाना पहुँचाने वाला भी कोई नही था। घर में दो और सदस्य पॉज़िटिव आए। यह मानसिक और शारीरिक बहुत कठिन वक्त था।

पॉज़िटिव सोच से जीती जंग

पॉज़िटिव सोच, धैर्य, मज़बूत पारिवारिक बंधन कोरोना को मात देने वाली सबसे बड़ी मेडिशन हैं। मैं 22 दिन ऑक्सीजन पर हॉस्पिटल में रहा। ऑक्सीजन लेवल 79 तक पहुँच गया था। फेफड़े में बहुत ज़्यादा इंफ़ेक्शन था। मेरी पत्नी सहित परिवार के चार लोग पॉज़िटिव थे। परिस्थितियाँ विपरीत थी पर अंदर एक अवाज थी हम जीतेंगे और अंत में जीत हमारी ही हुई।

फ्रंट लाईन वॉरियर्स ने दिया साथ

वेद जाखड़ ने बताया कि जब हम हॉस्पिलाइज हुए तो डॉ. तरूण स्परा ने बहुत हौसला बडाया। डॉ. शुधा सैनी और मेडीकल स्टाफ़ मोनिका शर्मा और किरण चौधरी ने बहुत मेडिकल केयर की। ये लोग अपनी जान की परवाह किए बिना बेहतरीन काम कर रहे है। डबल शिफ्ट मे काम करने के बाद भी मरीज़ के साथ इतनी सौम्यता इनके प्रोफ़ेशन को नोबेल बनाती है। इन सभी को में दिल से धन्यवाद देता हूँ।

अब अनाथ बच्चों को देंगे निःशुल्क शिक्षा

वेद जाखड़ ने हॉस्पिटल से निकलते ही कहा मेरी कर्मस्थली चौमूं ,आमेर ,शाहपुरा में जिन भी बच्चो के माता या पिता कोरोना से जान गँवा चुके हैं, उन्हे निःशुल्क पढ़ाऊँगा। जो भी स्टूडेन्टस 11 वीं फ़ाउण्डेशन, 12 वीं फ़ाउन्डेशन, नीट, आई आई टी जैसी परिक्षाओ की तैयारी करना चाहता है उनको प्रोटोन संस्थान निःशुल्क शिक्षा देगा।

विधायक रामलाल शर्मा ने अपना 48 वां जन्मदिन गौ सेवा को किया समर्पित

चौमूं (हमारा वतन) कोरोना महामारी को देखते हुए विधायक रामलाल शर्मा ने अपना 48 वां जन्मदिन पूर्ण सादगी एवं गौ सेवा के कार्यों के साथ मनाया। विधायक रामलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं से पहले ही आव्हान कर दिया था कि आप द्वारा किए गए सामाजिक सरोकार के कार्य ही मेरे लिए जन्मदिन पर उपहार होंगे। जन्मदिन के उपलक्ष्य पर विधानसभा क्षेत्र के 9 दिव्यांगों को स्कूटी वितरण की गई।

जन्मदिन पर ये रही दिनचर्या

वीर हनुमान जी के दर्शन प्रातः 6:00 बजे, गौशाला वीर हनुमान जी खोल नांगल भरड़ा प्रातः 6:30 बजे, गौशाला चोमूँ गढ़ गणेश मंदिर प्रातः 7:00 बजे, गौशाला खेड़ापति आश्रम सामोद प्रातः 8:00 बजे, मालेश्वर धाम महारकला जलाभिषेक कार्यक्रम प्रातः 9:00 बजे, ग्राम पंचायत फतेहपुरा दिव्यांगों को स्कूटी वितरण कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे, गौशाला बलेखण अणतपुरा दोपहर 12:00 बजे, गौशाला से स्याऊ धोबलाई दोपहर 1:00 बजे, गौशाला सिंगोदकला अपराहन 2:00 बजे, गौशाला भूतेड़ा सायं 3:00 बजे, गौशाला किशनमानपुरा सायं 4:00 बजे, गौशाला आष्ठीकला सायं 5:00 बजे, गौशाला कानरपुरा सायं 6:00 बजे, वीर हनुमान मंदिर धोली मंडी चोमूँ में सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम सायं 7:00 बजे आदि कार्यक्रम आयोजित हुए।

21 मई अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पूरा विश्व आज सातवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। योग दिवस कि इस साल मुख्य थीम स्वास्थ्य के लिए योग (योग फार वेलनेस) है। इस अवसर के लिए विदेश में भारतीय मिशन संबंधित देशों के साथ विभिन्न गतिविधियों में समन्वय स्थापित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस दुनिया के करीब 190 देशों में मनाया जाएगा। लाखों योग प्रेमियों ने अपने घरों से इस आयोजन का हिस्सा बनने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

इस मौके पर भारतीय डाक विभाग एक स्पेशल कैंसिलेशन स्टैंप जारी करेगा। इसका इस्तेमाल 21 जून को बुक होने वाली सभी डाक पर किया जाएगा।

गौरतलब है कि पीएम मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस दिन को सेलिब्रेट करने की पहल की थी। जिसके बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (International Yoga Day 2021) घोषित किया गया। 21 जून को संयुक्त राष्ट्र में 177 सदस्यों द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने का प्रस्ताव रखा गया था जिसे 90 दिनों के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम समय है।

तहसील अध्यक्ष संतोष डीजल्स का हुआ सम्मान

चौमूं (हमारा वतन) चौमूं निवासी संतोष कुमार सैनी को माली (सैनी) महासभा पंचायत संस्थान का तहसील अध्यक्ष नियुक्त होने पर मोरीजा रोड, खुशबू गार्डन में समाजसेवी सुरेश सैनी के नेतृत्व में सम्मान किया गया। इस दौरान नव नियुक्त तहसील अध्यक्ष संतोष कुमार सैनी का माला ओर साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान कालूराम सैनी, सीताराम सैनी ,रतन शर्मा,रामेश्वर गिरना, गोपाल जादम ,दयाल सैनी, रामसहाय सैनी, प्रकाश मीणा ,सुनील सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

सौंदर्य प्रतियोगिता में पहली बार ट्रांसवूमेन भी ले सकेंगी हिस्सा

कोलकाता (हमारा वतन) लिवा मिस दिवा सौंदर्य प्रतियोगिता इतिहास रचने को तैयार है। इस सौंदर्य प्रतियोगिता में पहली बार ट्रांसवूमेन भी हिस्सा ले सकेंगी। इसके आयोजकों की तरफ से बताया गया है कि लीवा मिस दिवा 2021 अपनी परंपरा को जारी रखते हुए ऐसी लड़की की खोज करेगी, जो नई पीढ़ी की महिलाओं का पूरे दिलसे समर्थन करेगी, उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, जिससे भविष्य में उनमें देश का नेतृत्व और प्रतिनिधित्व करने की क्षमता उत्पन्न होगी।

अपने पिछले आठ साल की विरासत को जारी रखते हुए युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान हासिल करने के लिए तैयार करने, उनका उत्साह बढ़ाने और सशक्त बनाने के अभियान को जारी रखेगी। इस बार इसमें ट्रांसवूमेन की भी भागीदारी होगी, जो समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होगा, जिससे देशभर की प्रतिभाओं को इसमें भाग लेने का मौका मिल सकेगा। चयनित होने वाले 20 फाइनलिस्ट की मुंबई में कड़ी ट्रेनिंग और ग्रुमिंग होगी और उसके बाद इस साल अक्टूबर में ग्रैंड फिनाले का आयोजन होगा। लीवा मिस दिवा 2021 की विजेता को मिस यूनिवर्स 2021 सौंदर्य प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा, वही लीवा मिस दिवा सुपरानेशनल 2021 का ताज पहनने वाली को मिस सुपरानेशनल 2021 में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा।

लिवा मिस दिवा प्रतियोगिता 2020 की विजेता व मिस यूनिवर्स 2020 की तीसरी उपविजेता एडलाइन कैस्टेलिनो ने कहा-'मिस दिवा सौंदर्य प्रतियोगिता जीतना मेरे लिए भावनात्मक पल था। मैं अगली विजेता को यह ताज पहनाने को लेकर काफी उत्साहित हूं। मिस दिवा 2021 का खिताब जीतने की महत्वाकांक्षा रखने वालीं सभी लड़कियों को मेरी शुभकामनाएं। मैं अपनी तरफ से बस यही कहना चाहूंगी कि कोई भी जीते-हारे लेकिन जीवन का यह दौर उनके लिए काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।

हरियाणा में हैरान करने वाला मामला

बेटे के शव को दुलारते हुए मां कह रही थी-उठ जा मेरे बच्चे, उठ जा;कुछ ही देर में मासूम की सांसें चलने लगीं

हरियाणा । इसे चमत्कार नहीं तो क्या कहें? एक मां की करुण पुकार भगवान ने सुन ली। 20 दिन पहले उसके छह साल के बेटे को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। परिवार अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था। मां अपने बेटे के सिर को चूमते हुए बार-बार कह रही थी- उठ जा मेरे बच्चे, उठ जा। तभी उसके शरीर में हरकत होने लगी। दोबारा इलाज शुरू हुआ और मंगलवार को वह रोहतक के अस्पताल से हंसता-खेलता अपने घर लौट आया।

दिल्ली में टाइफाइड का इलाज चल रहा था

मामला हरियाणा के बहादुरगढ़ का है। यहां रहने वाले हितेश और उनकी पत्नी जाह्नवी ने बताया कि उनके बेटे को टाइफाइड हो गया था। उसे इलाज के लिए दिल्ली ले गए थे। 26 मई को डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वे शव लेकर बहादुरगढ़ लौट आए। बच्चे के दादा विजय शर्मा ने बताया कि उन्होंने शव को रातभर रखने के लिए बर्फ और सुबह दफनाने के लिए नमक का इंतजाम कर लिया था। मोहल्ले वालों को सुबह श्मशान घाट पर पहुंचने को कह दिया था।

पिता अपने बेटे के शरीर में हरकत देखकर उसे मुंह से सांस देने लगे। तभी बेटे ने उनके होंठ पर दांत गड़ा दिए। अब बेटा दोबारा जी उठा है तो वे होंठ का यही जख्म दिखाकर खुशी मना रहे हैं।

पिता ने मुंह से सांस दी तो बेटे ने होंठ पर दांत गड़ा दिए

बच्चे की मां जाह्नवी और ताई अन्नू रोते हुए मासूम को बार-बार प्यार से हिलाकर जिंदा होने के लिए पुकार रही थीं। कुछ देर बाद पैक हुए शव में हरकत महसूस हुई। इसके बाद पिता हितेश ने बच्चे का चेहरा चादर की पैकिंग से बाहर निकाला और उसे मुंह से सांस देने लगे। पड़ोसी सुनील ने बच्चे की छाती पर दबाव देना शुरू किया।

सांसें लौटने पर भी बचने की 15 प्रतिशत उम्मीद थी

इसके बाद 26 मई की रात को ही बच्चे को रोहतक के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया।

डॉक्टरों ने कहा कि उसके बचने की सिर्फ 15 फीसदी उम्मीद है। इलाज शुरू हुआ। तेजी से रिकवरी हुई और अब वह पूरी तरह ठीक होकर मंगलवार को घर पहुंच गया।

अब गांव में खुशी का माहौल

अब बच्चे के पिता हितेश अपने होंठ पर बेटे का दिया जख्म दिखाकर खुशी मना रहे हैं। वहीं, दादा विजय इसे चमत्कार बता रहे हैं। मां ने कहा कि भगवान ने उनके बेटे में फिर से सांसें डाली हैं। इससे परिवार ही नहीं, पूरे गांव में खुशी का माहौल है।

उपभोक्ता भण्डारों एवं केवीएसएस में 385 पदों पर जुलाई माह में होगी परीक्षा

जयपुर (नि.सं.)। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने बताया कि राजस्थान सहकार भर्ती बोर्ड के माध्यम से सहकारी उपभोक्ता हॉलसेल भण्डारों एवं क्रय विक्रय सहकारी समितियों में 385 पदों पर भर्ती के लिए जुलाई माह में परीक्षा आयोजित कराने के निर्देश दिए है। आंजना ने बताया कि सहकारी उपभोक्ता हॉलसेल भण्डारों एवं क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में बी-वर्ग में क्लर्क/जूनियर असिस्टेंट/सेल्समेन/गोडाउन कीपर/स्टोर कीपर/टाईपिस्ट/कैशियर के 385 पदों पर 30 अप्रेल तक आवेदन आमंत्रित किये गए थे। सहकारिता मंत्री ने बताया कि परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र शीघ्र ही बोर्ड की https://rajcrb.rajasthan.gov. in पर उपलब्ध होंगे। परीक्षा से संबंधित अन्य जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर विजिट करे।

विराटनगर के मनीष सैनी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

विराटनगर (हमारा वतन) विराटनगर निवासी मनीष सैनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लांच किए गए जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत राजस्थान में बड़ी जिम्मेदारी मिली है ।

राजस्थान के 33 जिलों में इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है । जिसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान सरकार तथा जल एवं स्वच्छता सहयोग संगठन के नेतृत्व में आई एस ए (माया जन विकास सेवा संस्थान) के द्वारा जमीनी स्तर पर काम किया जायेगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 2024 तक हर घर तक नल पहुंच सके इसके लिए मनीष सैनी को भीलवाड़ा जिले का जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी के रूप में चुना गया है। भीलवाड़ा जिले के 1810 गांव पर कार्य शुरू किया जायेगा ।

ये रहेगी मनीष की भूमिका -

जमीनी स्तर के लोगों के साथ बैठकै आयोजित करना, जल जीवन मिशन कार्यक्रम और उसके उद्देश्यों के कार्यान्वयन में परियोजना टीम को चलाना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, सर्वेक्षण, विलेज एक्शन प्लान बनाना, पब्लिक रूलर अप्रेजल गतिविधियां करवाने के साथ - साथ ही सूचना शिक्षा और सामाजिक आंदोलन गतिविधियों के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करना, दिए गए समय सीमा के भीतर अपने कार्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए नियमित आधार पर जल जीवन मिशन कार्यक्रम का समर्थन करने और उसका मूल्यांकन करने के साथ ही ग्रामीण जलापूर्ति के लिए एक समुदाय के नेतृत्व वाले दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और ग्रामीण जल एवं स्वच्छता समिति का गठन करवाना जिससे सामाजिक आंदोलन और परियोजना की अन्य गतिविधियों के लिए परियोजना के लिए प्रासंगिक अन्य कार्यों को जोड़ना आदि की जिम्मेदारियां दी गई।

मनीष सैनी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम का भार कर्तव्यनिष्ठा से उठाने के लिए अपनी सहमति प्रदान की और बताया कि आज हम देखते हैं कि पानी की समस्या बहुत अधिक हो रही है । इसके लिए जो यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है ।इस कार्यक्रम के तहत हर घर नल पहुंचाने का कार्य किया जाएगा । जिससे सभी लोग पानी पी सके और पानी की महत्वता को समझ सके।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का जन्मदिवस मनाया

रतलाम (हमारा वतन) अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का जन्म दिवस रतलाम शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा कोविड 19 महामारी को दृष्टिगत रखते हुए सादगी पूर्ण ढंग से सेवा दिवस के रूप में मनाया गया । इस अवसर पर दो बत्ती एवं अलकापुरी चौराहे पर दिहाड़ी मजदूरों को मास्क ,सैनिटाइजर, विटामिन सी एवं जिंक की गोलियां बांटी गई । सभी को वैक्सीन हेतु भी प्रेरित किया गया । इस दौरान शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र कटारिया,मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष यास्मिन शेरानी, समाजसेवी अनिल झालानी, मध्य प्रदेश सेवादल सचिव रजनीकांत व्यास, प्रदेश कांग्रेस सचिव मनसूर अली पटौदी , पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजीव रावत, ब्लॉक अध्यक्ष बसंत पंड्या, कमरुद्दीन कछवाहा, पीसीसी सदस्य संजय छाजेड़, मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस सचिव निशा ऐडना, महिला सेवा दल अध्यक्ष संगीता काकरिया ,पूर्व पार्षद नासिर कुरेशी, वहीद भाई शेरानी, वंदना अनिल पुरोहित, रजिया मंसूरी, अफजल नेता, मांगीलाल जैन, सतीश गिरी ,संजय खंडकर , इक्का बैलूत, जितेंद्र हाड़ा पंडित,कैलाश सोलंकी, छोटू चावड़ा साजिद अब्बासी, सुनील पाटिल, संजय चौधरी, विजय पंड्या, प्रदीप बटवाल ,राहुल राठौर सहित कांग्रेस जन उपस्थित रहे ।

राजस्थान के लिए अच्छी खबर:प्रधानमंत्री आवास योजना में टॉप 10 में 6 जिले राजस्थान के, डूंगरपुर देश में दूसरे स्थान पर; 93 हजार से ज्यादा मकान बनाए

डूंगरपुर (वि.सं.)। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लक्ष्य के अनुसार सबसे ज्यादा आवास बनाने में राजस्थान के लिए सबसे अच्छी खबर है। राज्य के 6 जिले टॉप 10 में शामिल किए गए हैं, जबकि डूंगरपुर देश में दूसरे और नागौर तीसरे स्थान पर है। जयपुर का 39वां नंबर और सबसे राज्य में सबसे अंतिम पायदान पर सिरोही जिला आया है, जिसको देश में 156वीं रैंक दी गई है। देश की टॉप 50 रैंक में राजस्थान के 22 जिले शामिल किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 93 हजार से अधिक आवास बनाकर डूंगरपुर ने इतिहास रख दिया है। माइक्रो मैनेजमेंट और बेहतर प्लानिंग की रणनीति के कारण डूंगरपुर ने देश में आवास निर्माण में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

चिकित्सा मंत्री ने 2 करोड़ वैक्सीनेशन डोज लगने पर टीकाकरण कर्मियों को बधाई दी

जयपुर (नि.सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कोविड-9 वैक्सीनेशन कार्यक्रम के तहत प्रदेश में 2 करोड़ वैक्सीनेशन डोज लगने पर टीकाकरण से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है एवं इसी लगन व उत्साह के साथ भविष्य में भी निष्ठापूर्वक कार्य कर प्रदेशवासियों को कोविड-19 वायरस के प्रभाव से बचाने में तत्परता से सहयोग करने का आह्वान किया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि मंगलवार शाम तक के आंकड़ों के अनुसार 1 करोड़ 62 लाख 95 हजार 718 व्यक्तियों को प्रथम डोज एवं 34 लाख 92 हजार 989 लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार तक प्रदेश में 4 लाख 99 हजार 421 हेल्थकेयर वर्कर्स को पहली और 3 लाख 87 हजार 65 को दूसरी डोज लगाई जा चुकी थी।

जॉब्स

1. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद हेड मास्टर, पद संख्या 83, अंतिम तिथि 13 जुलाई 2021
2. हरियाणा पुलिस, पद कमांडो विंग में कांस्टेबल ग्रुप सी, पद संख्या 520, अंतिम तिथि 29 जून 2021
3. भारतीय दक्षिण रेलवे, पद अपरेंटिस, पद संख्या 3322, अंतिम तिथि 30 जून 2021
4. मध्य प्रदेश पब्लिक सर्विस कमिशन, पद मेडिकल ऑफिसर, पद संख्या 576, अंतिम तिथि 23 जुलाई 2021
5. हरियाणा पुलिस, पद सब इंस्पेक्टर मेल फीमेल, पद संख्या 465, अंतिम तिथि 2 जुलाई 2021
6. इंडियन कोस्ट गार्ड, पद नाविक और यांत्रिक, पद संख्या 350, अंतिम तिथि 16 जुलाई 2022
7. पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, पद डिप्लोमा ट्रेनी इलेक्ट्रिकल और सिविल, पद संख्या 20,अंतिम तिथि 8 जुलाई 2021
8. उत्तर प्रदेश पुलिस, पद एसआई एएसआई, पद संख्या 1329, अंतिम तिथि 15 जुलाई 2021

जैकलीन फर्नांडीज

के दिल में हुई इस खास शख्स की एंट्री, जानें कौन है ये व्यक्ति

इतना सब कुछ जान लेने के बाद आपकी बेताबी भी बढ़ने लगी होगी कि आखिर इस एक्ट्रेस के दिल में किस खास शख्स ने एंट्री मारी है। लाखों दिलों की धड़कन, हॉट एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज का अभी हाल ही में रैपर बादशाह के साथ ''पानी पानी'' सॉन्ग लॉन्च किया गया था। जिस वजह से वह सुर्खियों में थी। इस गाने में जैकलीन राजस्थानी ब्यूटी नजर आ रही हैं। लेकिन इस बार जैकलीन का सुर्खियों में होने की वजह कोई गाना या फिल्म नहीं है बल्कि उनकी लाईफ को लेकर वह सुर्खियां में है। जैकलीन फर्नांडीज के लाखों फैन्स हैं जो उनके लाइफ पार्टनर या ब्वॉयफ्रेंड के बारे में जानना चाहते हैं, जिसे लेकर फैंस यह भी सोचते हैं कि क्या यह बॉलीवुड स्टार होगा या फिर कोई और।जैकलीन फर्नांडीज के बारे में एक बात आपको बतादें कि जैकलीन उन एक्टर्स में से हैं जो अपनी प्राइवेट लाइफ को सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक बिलकुल भी नहीं करती हैं। लेकिन यह बात भी एक दम सच है कि जैकलीन की लाइफ में अब एक पार्टनर की एंट्री हो चुकी है। हालाकि ये राज अभी तक उन्होनें किसी से भी जाहिर नहीं किया है। इस बारे में आपको बतादें कि इस एक्ट्रेस का दिल जिस पर आया है वह कोई एक्टर नहीं है, और इसे लेकर बहुत ही जल्द जैकलीन अपनी लाइफ से जुड़ा एक बड़ा डिसिजन भी ले सकती हैं।इतना सब कुछ जान लेने के बाद आपकी बेताबी भी बढ़ने लगी होगी कि आखिर इस एक्ट्रेस के दिल में किस खास शख्स ने एंट्री मारी है।

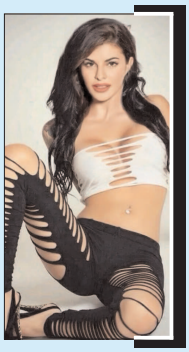

अनीता हसनंदानी

ने मां बनने के बाद एक्टिंग छोड़ने की खबरों को किया खारिज, बोलीं धमाकेदार होगी वापसी..ये अंत नहीं है

टीवी एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी की एक्टिंग करियर को लेकर पिछले कई दिनों से ये दावा किया जा रहा था कि वह एक्टिंग हमेशा के लिए छोड़ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट में चर्चा थी कि अपने बेटे की परवरिश और परिवार के वह एक्टिंग छोड़ने वाली हैं। अब एक्ट्रेस ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हिंदुस्तान टाइम्स बात करते हुए अनीता हसनंदानी ने कहा कि उनके एक इंटरव्यू में उनके कहने का गलत मतलब निकाला गया है जबकि वह काम पर लौटना चाहती हैं। उन्होंने ये भी कहा कि जब भी उनकी वापसी होगी वह काफी धमाकेदार होगी। अनीता और उनके पति रोहित रेड्डी इस साल फरवरी में माता-पिता बने हैं। अनीता ने अपने बेटे आरव को जन्म फरवरी में दिया है। इनदिनों अनीता अपना मदरहुड एंजॉय कर रही हैं, जिसकी झलक आए दिन सोशल मीडिया के जरिए देखने को मिलती रहती है। आगे बातचीत में अनीता एक्टिंग करियर छोड़ने की बात पर कहती हैं, मुझे फैंस के बहुत सारे स्क्रीनशॉट मिले, जिसमें लिखा था, हे भगवान आप एक्टिंग छोड़ रही हैं । हालांकि मैं स्पष्ट रूप से कह चुकी हूं कि ऐसा नहीं हैं। फिर भी टीवी या फिल्म इंडस्ट्री में मेरी वापसी कब होगी इस बारें में मैं कोई सटीक जानकारी नहीं दे सकती।

वाणी कपूर बोलीं-कोरोना की वजह से अपनी फिल्मों को रिलीज होते हुए देखने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है

एक्टर अक्षय कुमार और वाणी कपूर की अपकमिंग फिल्म बेल बॉटम की नई रिलीज डेट की अनाउंसमेंट एक दिन पहले की जा चुकी है। यह फिल्म 27 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। अब हाल ही में वाणी कपूर ने कहा है कि वे बड़े पर्दे पर फिल्म की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना की वजह से अपनी फिल्मों को रिलीज होते हुए देखने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वाणी कपूर ने कहा, हमारी इंडस्ट्री के फिर से रफ्तार पकड़ने की संभवना को लेकर मैं वाकई बहुत खुश हूं। क्योंकि इंडस्ट्री ने कोरोना महामारी के कारण काफी मार झेली है। बेल बॉटम बड़े पर्दे की फिल्म है और मैं इस फिल्म के प्रोड्यूसर जैकी और दीपशिखा (पूजा एंटरटेनमेंट) की शुक्रगुजार हूं। बेशक, अक्षय कुमार सर की भी आभारी हूं कि उन्होंने इस फिल्म को थिएटर में रिलीज करने का फैसला किया। बेल बॉटम लोगों को फिर से सिनेमाघरों में वापस लाने में एक अहम भूमिका निभाएगी। बेल बॉटम पहली ऐसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग महामारी में शुरू हुई थी और दूसरी लहर के बाद पहली बड़ी फिल्म है, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हमारी यह फिल्म दर्शकों का मनोरंजन जरूर करेगी-वाणी कपूर ने आगे कहा, यह एक शानदार फिल्म है और अक्षय सर की तो हर फिल्म कमाल की ही होती है। उन्होंने इस फिल्म में क्या कमाल किया है, यह समझने के लिए लोगों को यह मूवी देखनी चाहिए। मैं बहुत आभारी हूं कि मेरी एक बड़ी फिल्म रिलीज होने के लिए तैयार है।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस

नियमित योग-प्राणायाम बच्चों को कोविड-19 की तीसरी लहर से बचाने में हो सकता है मददगार

कोरोना वायरस के चलते जहां पूरी दुनिया एक तरह से रुक गई है, वहां योगा एक्सपर्ट मधु मिश्रा योग-प्राणायाम के माध्यम से लोगों को मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए तैयार कर रहीं हैं। मधु मिश्रा इंटरनेशनल योगा एंड वेलनेस कोच और मृत्युंजय योग स्टूडियो की फांउडर हैं। वे मॉरीशस में एक्रा और एरियल योगा की ट्रेनर रह चुकी हैं।कोविड-19 महामारी के दौर में योगा और वेलनेस कोच मधु मिश्रा सभी को योग-प्राणायाम अपनाने की सलाह देती हैं। जिस वजह से आज हर व्यक्ति मेंटली और इमोशनल रूप से कमजोर होता जा रहा है। बच्चे भी इससे बच नहीं पाए हैं। खासतौर से वे बच्चों को 5 साल की उम्र से ही योगाभ्यास करवाने की सलाह देती हैं। ताकि बड़े होकर उन्हें हेल्दी आदतों के लिए खुद को मजबूर न करना पड़े। कोविड-19 के समय में योग आपके और आपके परिवार के लिए कैसे मददगार हो सकता है, इस पर हमने मधु मिश्रा से विस्तार से बात की।

1.आपने कब से योगा की शुरुआत की, अपनी योग यात्रा के बारे में बताएं?

योग के प्रति मेरा रुझान मेरे पापा के कारण बना, क्योंकि योगा हमारे घर में किसी परंपरा के जैसा था। सुबह पापा हमें उठाते थे और 20 मिनट तक हम योग करते थे। फिर स्कूल में भी योगाभ्यास करवाया जाता था। फिर मैंने ग्रेजुएशन पूरी की और योगा से एम.ए किया।

योगा से पोस्ट ग्रेजुएशन करने का मन इसलिए था क्योंकि मेरी जिंदगी में योगा बचपन से था और इसे करने के लिए किसी स्पेशल सब्जेक्ट की जरूरत नहीं होती हैं। उस समय दिमाग में था कि खुद भी हेल्दी रहना है और परिवार को भी हेल्दी रखना है और इसमें करियर स्कोप भी है। मैंने 2012 में उत्तराखंड यूनिवर्सिटी हरिद्वार से योगाचार्या में एम.ए किया। उसके बाद मैंने ऋषिकेश में रहकर अष्टांग और हठ योग में वाईटीसी किया। फिर एरियल योगा सिखाने के बाद 1 साल तक योगा सिखाया और 2018 में मॉरीशस चली गई। मॉरीशस में 2 साल तक योग सिखाया। 2020 में मैं वापस भारत आई और कानपुर में अपना योगा स्टूडियो (मृत्युंजय योगा स्टूडियो) खोला। और इसकी दूसरी ब्रांच जो बलरामपुर जिलें में है। यहां स्टूडियो खोलने का कारण ये था कि यहां के जिम में लड़कियां कंफर्टेबल नहीं थी। तो मैंने यहां दूसरी ब्रांच जनवरी में खोल दी और अब मैं यहां योगा सिखा रही हूं।

2.क्या योगाभ्यास/ प्राणायाम ने आपके जीवन में कुछ बदलाव किए, जिनका आप उल्लेख करना चाहें?

योग से मेरे जीवन में काफी बैलेंस आया है। पहले मैं बात-बात पर गुस्सा करती थी, बहुत जल्दी रिएक्ट करती थी। अब योग करने से मेरे अंदर काफी संतुलन आया है। लोगों को बाहरी तौर पर फायदे दिखाई देते हैं, पर इंटरनल फायदे कोई नहीं देखता। वो इंटरनल फायदा मैंने महसूस किया। इससे निर्णय लेने में आसानी होती है। ये मानसिक रूप से आपको रिलैक्स करता है।

3. कोविड-19 में योगाभ्यास किस तरह मददगार हो सकता है?

आप देखेंगी की इस माहौल में हर व्यक्ति डरा हुआ है, यह अच्छी सूचना नहीं है। पर इस समय अच्छा ये हुआ है कि लोग योग की तरफ आ रहें हैं। लोगों को लग रहा है कि योग करना और हेल्दी फूड लेना जरूरी है। अगर लाभ की बात करें, तो इसमें दो बातें आती हैं - एक ये कि जिन लोगों को कोविड हो गया है और दूसरे वो जिनको कोविड नहीं हुआ है। जिन लोगों को कोविड नहीं हुआ है, वो सबसे पहले पैनिक न हो और वो सुबह सूर्योदय के समय 15 से 20 मिनट के लिए प्राणायाम करें, उनको सूर्य के सामने बैठ कर अनुलोम-विलोम, कपालभाति और सूर्य-नमस्कार करना चाहिए।

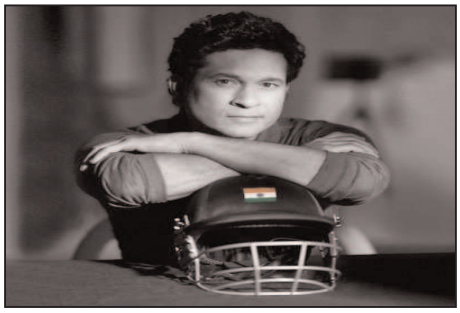

WTC फाइनल के फॉर्मेट से तेंदुलकर खुश नहीं, बताया कैसा होना चाहिए

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के फॉर्मेट को लेकर कहा है कि यह बेस्ट ऑफ थ्री या एक सीरीज के तौर पर होना चाहिए था। सचिन ने कहा कि इसको लेकर आईसीसी के सामने कुछ चुनौतियां रही होंगी, लेकिन आगे जरूर इसमें बदलाव होगा। सचिन ने न्यूज18 इंडिया को दिए खास इंटरव्यू में भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार से साउथैम्प्टन में डब्ल्यूटीसी के फाइनल को लेकर कहा, आईसीसी को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के फॉर्मेट को लेकर जरूर काम करना चाहिए, ताकि फाइनल एक मैच का नहीं, बल्कि सीरीज की तरह खेला जाए।सचिन ने कहा कि, जब आप 50 ओवर का वर्ल्ड कप या टी-20 चैम्पियनशिप खेलते हैं, तो आप किसी भी टीम से एक बार भिड़ते हैं। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस पूल में है। इसमें एक निरंतरता होती है और फिर आप फाइनल खेलते हैं। उस स्थिति में, एक फाइनल मैच होना सही है, लेकिन डब्ल्यूटीसी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से चार और इंग्लैंड से भी इतने ही मैच खेले और फिर आप अचानक फाइनल में पहुंच जाते हैं, जहां सिर्फ एक मैच ही खेला जाना है जोकि गलत है। ये डब्ल्यूटीसी फाइनल सीरीज होनी चाहिए। ऐसे में बेस्ट ऑफ थ्री मैच सही होते। यह तय किया जा सकता है कि आप उन मैच को कैसे खेलते हैं, एक घर में, एक विदेश में या जो भी तय होता।

शेफाली वर्मा की बैटिंग के मुरीद हुए वीरेंद्र सहवाग, तारीफ में किया ये ट्वीट

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा अपने डेब्यू टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 50 से अधिक रन बनाने वाली भारत की पहली और दुनिया की चौथी महिला बल्लेबाज बन गई हैं। शेफाली ने यह उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के तीसरे दिन हासिल की। उन्होंने पहली पारी में 96 रन बनाए थे जबकि भारतीय टीम के फॉलोऑन के लिए उतरने के बाद वह तीसरे दिन चाय के विश्राम तक 55 रन पर खेल रही थी।शेफाली वर्मा की भारत के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग से तुलना की जाती है। सहवाग ने शेफाली की टेस्ट डेब्यू में खेली गई शानदार पारियों के लिए तारीफ की। वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट कर कहा, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पहले दिन का खेल रद्द हो गया। लेकिन भारतीय महिला टीम और इंग्लैंड महिला टीम के बीच खेले जा रहे टेस्ट में शेफाली वर्मा को देखने का आनंद लिया। उसकी निडरता देखकर खुशी होती है। गौरतलब है कि साउथम्पटन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया।

बांग्लादेश के इस क्रिकेटर ने फील्डर पर किया ईंट से हमला, गाली भी दी, बोर्ड ने लगाया बड़ा जुर्माना

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने लीजेंड्स ऑफ रूपगंज के क्रिकेटर शब्बीर रहमान और शेख जमाल धनमंडी क्लब के मैनेजर सुल्तान महमूद पर डीपीएल मुकाबले के दौरान नस्लीय टिप्पणी करने के लिए 50 हजार बांग्लादेशी टके का जुर्माना लगाया है। दरअसल शेख जमाल ने ढाका में विभिन्न क्लब आधारित टूर्नामेंटों का आयोजन करने वाली बीसीबी विंग ढाका महानगर क्रिकेट समिति को एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शब्बीर के खिलाफ उनके खिलाड़ी इलायस सनी के प्रति नस्लीय टिप्पणी की बात कही गई थी। बीसीबी ने गुरुवार को एक के माध्यम से जानकारी दी कि सीसीडीएम की तकनीकी समिति ने आज इस मामले में शामिल खिलाड़ियों, क्लब अधिकारी और मैच अधिकारियों के साथ वचुर्अल सुनवाई की और शब्बीर और सुल्तान पर जुर्माना लगाने का फैसला किया। साथ ही इलायस को चेतावनी भी जारी की।

टिकिट

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

– सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

तीसरी लहर से लड़ने की तैयारी

राम गोपाल सैनी

अगर कुछ मित्रों की मदद से प्रीता मुझे 24 अप्रैल को अस्पताल नहीं ले जातीं, तो आज मैं इन पंक्तियों को नहीं लिख रहा होता। यहां तक कि कोविड के आईसीयू वार्ड में जब मेरे फेफड़ों को नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन मशीन के सहारे ऑक्सीजन दी जा रही थी, इंट्रा-वेनस पाइप से भांति-भांति की दवाएं मेरे शरीर में पहुंचाई जा रही थीं, हृदय को जांचने व ऑक्सीजन स्तर का पता लगाने के लिए तमाम तरह की तारों का जाल मेरे इर्द-गिर्द पसरा था, तब मुझे यही लग रहा था कि मैं बेहद भाग्यशाली इंसान हूं और मुझे विशेष अधिकार हासिल है। वह देश के बेहतरीन अस्पतालों में से एक है। वहां ऑक्सीजन या जीवन-रक्षक दवाओं की कोई कमी नहीं थी। डॉक्टरों की एक योग्य टीम मेरा इलाज कर रही थी। यह उस समय की बात है, जब देश के खराब हालात मीडिया की सुर्खियों में थे। हर जरूरी चीज की बेहद कमी हो चली थी, फिर चाहे वे टीके हों या अस्पताल के बिस्तर, एंबुलेंस, वेंटिलेटर, कॉन्सेंट्रेटर, दवाएं या ऑक्सीजन। गंभीर मरीजों की जान तो इसलिए भी जा रही थी, क्योंकि उन्हें सांस लेने और जिंदा रहने के लिए जरूरी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। अस्पताल के कोविड वार्ड में, जिसे मैं एकांतवास कह सकता हूं, मुझे यह सोचने के लिए काफी वक्त मिला कि आखिर अपने यहां चूक कहां हुई? भारत यह दुःस्वप्न जीने को क्यों अभिशप्त हुआ? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल कि कोरोना की अगली लहर का सामना करने के लिए क्या किया जाना चाहिए? निस्संदेह, कोरोना की दोनों लहरों के बीच हमें तैयारी करने का पूरा समय मिला था। मगर, पहली लहर के शांत होते ही हम आत्ममुग्ध हो गए। विशेषज्ञों की चेतावनियों को दरकिनार किया जाने लगा। खुद प्रधानमंत्री ने दावोस में विजयी भाव से एलान किया कि भारत ने कोविड की जंग जीत ली है। लेकिन इसके तुरंत बाद, दूसरी लहर एक भयानक सूनामी की तरह आई, जिसमें पहली लहर की तुलना में चार गुना अधिक तेजी से संक्रमण फैला। नतीजतन, बहुत अधिक मौतें हुईं। जहां दिल्ली के अस्पतालों में बिस्तर और ऑक्सीजन की भारी कमी थी, तो वहीं उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के छोटे शहरों व गांवों में नाममात्र की स्वास्थ्य सुविधाओं का लोगों ने काफी खामियाजा भुगता। इसके कारण, गंगा में बहती लाशें, तटों पर अनगिनत जलती चिताएं और उथली समाधियां मीडिया की खबरों में छा गईं। नाकाफी प्रशासनिक तैयारी और बदहाल स्वास्थ्य तंत्र के कारण दूसरी लहर ने सरकार की बड़ी विफलता की ओर विश्व समुदाय का ध्यान खींचा। हालांकि, देखा जाए, तो सिर्फ सरकार विफल नहीं हुई, बल्कि आम जनता ने भी अपना नुकसान खुद किया। कोविड-उपयुक्त व्यवहार को न सिर्फ व्यापक तौर पर नजरंदाज किया गया, बल्कि भीड़-भाड़ से बचने, मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बरतने में भी कोताही बरती गई। अगर लोगों ने इस पर ध्यान दिया होता, तो संभव है कि वायरस का इस कदर प्रसार नहीं होता। बहरहाल, दोषारोपण के बजाय अब यह सुनिश्चित करना उचित होगा कि ऐसी गलती फिर से न हो, यानी तीसरी लहर के खिलाफ हम पूरी तरह से तैयार रहें। महामारी के प्रसार को रोकने के साथ-साथ संक्रमितों के इलाज का हमारे पास अब पर्याप्त अनुभव है।

गहलोत सरकार की प्रदेश वासियों को सौगात अब 200 रुपए में होगी कोरोना की जांच

जयपुर (हमारा वतन) राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ने कोरोना टेस्ट रैपिड एंटीजन की कीमतों का निर्धारण कर दिया है। ये टेस्ट अब प्राइवेट लैब में 200 रुपए में किया जा सकेगा। इससे पहले अप्रैल में राज्य सरकार ने आरटीपीसीआर टेस्ट की कीमत को 500 रुपए से कम करके 350 रुपए की थी। जबकि पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में इसी टेस्ट की दर निजी लैब में 300 रुपए है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जारी आदेशों के मुताबिक ये टेस्ट किसी भी प्राइवेट अस्पताल या निजी लैब पर की जा सकेगी। इस टेस्ट को निजी लैब में शुरू करने का मुख्य उद्देश्य जल्दी और फास्ट रिजल्ट लाना है, ताकि शुरूआती लक्षण दिखने पर मरीज की जांच कर उसका रिजल्ट देख सके और उसका ट्रीटमेंट कर सके। अस्पतालों की ओपीडी में आने वाले सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार के मरीजों के लिए ये टेस्ट उपयुक्त रहेगा। बता दें कि राजस्थान में पिछले माह मई से सरकार ने आरटीपीसीआर के अलावा एंटीजन टेस्ट करवाने को भी मंजूरी दी थी। इस टेस्ट में भी व्यक्ति के नाक और मुंह से सैंपल लेकर उसे एक किट में लगाया जाता है। जिसका रिजल्ट 3-4 मिनट के आ जाता है। राजस्थान में अभी बड़े स्तर पर सरकार एंटीजन टेस्ट ही करवा रही है। जयपुर में ही कई पीएचसी ऐसी है जहां आने वाले जिन मरीजों में कोरोना के लक्षण दिखते हैं उनके एंटीजन टेस्ट ही किए जा रहे हैं। सरकार से जारी आदेशों के तहत राज्य में जिस भी निजी अस्पताल या लैब पर ये जांच होगी, उस संस्था को जांच की रिपोर्ट का डेटा सरकारी साइट पर अपलोड करना होगा। ये डेटा संबंधित जिले की सीएमएचओ की ओर से जारी आरटीपीसीआर पोर्टल पर ही अपलोड होगा।

राहुल गांधी का जन्मदिन सेवा दिवस के रुप में मनाया

चौमूं (हमारा वतन) कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के निर्देशानुसार चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा शहर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल वितरित किए गए एवं राहुल गांधी की दीर्घायु की कामना की। कांग्रेसियों द्वारा राहुल गांधी के जन्मदिन पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन किए गए।

चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने कहा कि राहुल गांधी ने कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात के मद्देनजर इस साल जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि उनके जन्मदिन के मौके पर किसी तरह के जश्न का आयोजन नहीं करें और कोई होर्डिंग या पोस्टर न लगाएं, बल्कि अपने पास उपलब्ध संसाधन का इस्तेमाल जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए करें।

इसी बात को ध्यान रखते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के जन्मदिन पर जरूरतमंद लोगों को राशन, मास्क और मरीजों को फल वितरित किए गए।

इस मौके पर पार्षद महेश कुमार यादव, सायर मल सैनी, विनोद कुमार तंवर,डॉ मानप्रकाश सैनी ,पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

अब बिना राशनकार्ड बन सकेगा जन आधार कार्ड

जयपुर (हमारा वतन) गहलोत सरकार की अहम योजना जन आधार कार्ड बनाने के मामले में सरकार ने अहम फैसला लिया है। इसके तहत राज्य में जन आधार कार्ड बनाने वाले के पास अगर राशन कार्ड नहीं है तो भी उनका आवेदन निरस्त नहीं किया जाएगा। राजस्थान जन आधार प्राधिकरण के महानिदेशक ने एक आदेश जारी कर राज्य के सभी जिलों के कलेक्टर्स को ये निर्देश दिए हैं।

दरअसल, पिछले कुछ समय से ये शिकायतें आ रही थी कि जन आधार कार्ड के आवेदन के दौरान राशन कार्ड की कॉपी अपलोड नहीं करने पर आवेदक का आवेदन निरस्त किया जा रहा था। आवेदन निरस्त करने से उक्त आवेदक को मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना सहित सरकार के तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा था।

लगातार मिल रही इन शिकायतों को देखते हुए सरकार ने जनआधार में राशन की अनिवार्यता को समाप्त करने का निर्णय किया है। साथ ही राजस्थान जन आधार प्राधिकरण की ओर से आज एक आदेश जारी करते हुए सभी कलेक्टर्स को ये निर्देश दिए कि उनके यहां जन आधार के लिए आने वाले आवेदन में अगर राशन कार्ड की कॉपी नहीं भी है तो भी उसे मंजूरी दे।

आवेदन के साथ ये दस्तावेज जरूरी

- ❒ परिवार के मुखिया का बैंक खाते का विवरण
- ❒ मुखिया व एक अन्य सदस्य के आधार कार्ड की कॉपी या उसके पंजीयन की रसीद
- ❒ परिवार के सदस्यों के अलग-अलग फोटो।

क्या है जनआधार कार्ड

देश में जिस तरह यूनीक आईडी की तरह हर व्यक्ति का आधार कार्ड होता है। ठीक उसी तरह राजस्थान के मूल निवासियों या यहां 10 साल से ज्यादा समय तक रहने वाले परिवारों के लिए यह राज्य की यूनीक आईडी है। यह कार्ड व्यक्तिगत न बनकर पूरे परिवार का एक साथ बनता है। इसी कार्ड के जरिए राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ राज्य के लोगों को मिलता है। पिछली सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समय यह कार्ड भामाशाह के नाम से जाना जाता था, जिसका नाम गहलोत सरकार ने बदलकर जन आधार कर दिया।

नहीं रहे फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह

नई दिल्ली (हमारा वतन) भारत के 'उड़न सिख' यानी फ्लाइंग सिख के नाम से विख्यात महान फर्राटा धावक मिल्खा सिंह का एक महीने तक कोरोना संक्रमण से जूझने के बाद शुक्रवार को देर रात 11:30 बजे चंडीगढ़ में निधन हो गया। इससे पहले रविवार को उनकी 85 वर्षीया पत्नी और भारतीय वॉलीबॉल टीम की पूर्व कप्तान निर्मल कौर ने भी कोरोना संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

परिवार के प्रवक्ता ने बताया कि कोरोना से संक्रमित होने के करीब एक महीने बाद 91 वर्षीय इस महान धावक का निधन हो गया। 1958 के राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और 1960 के ओलिंपियन ने चंडीगढ़ के पीजीआई अस्पताल में अंतिम सांस ली। मिल्खा 20 मई को कोरोना वायरस की चपेट में आए थे। उनके पारिवारिक रसोइए को कोरोना हो गया था, जिसके बाद मिल्खा और उनकी पत्नी निर्मल मिल्खा सिंह कोरोना पॉजिटिव हो गए थे।

इसके बाद उन्हें 24 मई को उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उन्हें 30 मई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। इसके बाद 03 जून को ऑक्सीजन स्तर में गिरावट के बाद उनहें पीजीआईएमईआर के नेहरू हॉस्पिटल एक्सटेंशन में भर्ती करवाया गया। गुरुवार को उनकी कोरोना की रिपोर्ट निगेटिव आ गई थी। उनकी हालत शुक्रवार शाम को ज्यादा खराब हो गई थी और बुखार के साथ आक्सीजन भी कम हो गई थी। हालांकि, गुरुवार की शाम से पहले उनकी हालत स्थिर हो गई थी। उनके परिवार में उनके बेटे गोल्फर जीव मिल्खा सिंह और तीन बेटियां हैं। चार बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मिल्खा ने 1958 राष्ट्रमंडल खेलों में भी पीला तमगा हासिल किया था। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हालांकि 1960 के रोम ओलंपिक में था जिसमें वह 400 मीटर फाइनल में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 1956 और 1964 ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें 1959 में पद्मश्री से नवाजा गया था ।

खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 9352734588
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा